राजीव विश्नोई
Rajeev Vishnoi
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
Chairman & Managing Director

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

(श्रेणी-क मिनी रत्न, सरकारी उपक्रम)
(Schedule - A Mini Ratna Govt. PSU)

Ganga Bhawan, Pragatipuram, By-pass Road, Rishikesh-249201
Tel.: (0135) 2431464

G20 भारत 2023 INDIA
वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

" भारत के लोकतंत्र की सदा ही जय-जयकार हो
विश्व के पटल पर अब विजय भारत के संस्कार हों "

टीएचडीसी परिवार के मेरे प्रिय सदस्यों, परियोजना प्रभारी, सभी साथी अधिकारी/ कर्मचारी वर्ग तथा उनके परिवार के सभी सदस्यों, यहाँ उपस्थित सी.आई.एस.एफ के जवानों, देवियों और प्यारे बच्चों,

आप सभी को देश के 76वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

आज, हमारे राष्ट्र के 76वें गणतंत्र दिवस के इस पावन अवसर पर, आप सभी को संबोधित करते हुए मैं अत्यंत गौरव और उत्साह का अनुभव कर रहा हूँ। आज का यह विशेष दिन न केवल हमारे गणराज्य की स्थिरता और मजबूती का प्रतीक है, बल्कि यह हमें हमारी जिम्मेदारियों को याद दिलाकर उनका निर्वहन करने का भी दिन है।

गणतंत्र दिवस न केवल एक ऐतिहासिक दिवस है, बल्कि यह हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर भी है, जिन्होंने अपने अदम्य साहस और बलिदान से हमें यह स्वतंत्र गणराज्य दिया। जैसा कि हम सभी को ज्ञात है कि 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और हमें एक स्वतंत्र, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, और लोकतांत्रिक गणराज्य होने का गौरव प्रदान हुआ।

"यह केवल अधिकारों की बात नहीं, यह कर्तव्यों की चेतना भी है।"

गणतंत्र दिवस न केवल गर्व और उत्सव का दिन है, बल्कि यह आत्मनिरीक्षण और नव-निर्माण का भी अवसर है। यह हमें याद दिलाता है कि हमारे प्रयास केवल व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं, बल्कि हमारे

समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए होने चाहिए। साथियों, इस अवसर पर, हम उन महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हैं जिन्होंने अपने साहस और बलिदान से हमें यह महान गणराज्य दिया। उनका संघर्ष केवल इतिहास का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह हमारा मार्गदर्शन है कि हम अपने कार्यों से इस राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाएं।

साथियों, आज भारत न केवल वैश्विक मंच पर एक शक्ति के रूप में उभर रहा है, बल्कि अन्य देशों के लिए उदाहरण भी साबित हो रहा है जो भारत की ओर सम्मानित भाव से देख रहे हैं | चाहे विषय ऊर्जा उत्पादन का हो, या स्वास्थ्य, शिक्षा, तकनीकी विशेषज्ञता, रिसर्च या राष्ट्र निर्माण का, हमारा देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है |

जब हम एक विकसित भारत की ओर अपने कदम बढ़ा रहे हैं, तो यह गर्व का विषय है कि हमारा संगठन टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में एक सशक्त सहयोगी बन कर उभर रहा है। टीएचडीसी का उद्देश्य केवल विद्युत उत्पन्न करना नहीं, बल्कि हर भारतीय के जीवन को ऊर्जा से रोशन करना है। हमारा ध्येय, "विद्युत उत्पादन हमारी कटिबद्धता... समाज का विकास हमारी प्रतिबद्धता..." इस बात का प्रतिबिंब है कि हम ऊर्जा से जीवन बदलने के अपने लक्ष्य में पूरी निष्ठा से कार्यरत हैं।

साथियों, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, जो राष्ट्र की प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है, सदैव अपनी जिम्मेदारियों को निष्ठा के साथ निभाता आ रहा है। सन् 1988 में एक विनम्र शुरुआत करने वाला यह संगठन आज 1587 की कुल संस्थापित क्षमता के साथ ऊँचाइयों को छू रहा है।

1587 की संस्थापित क्षमता के साथ ही हमारी 2764 मेगावाट की परियोजनाएं कमीशनिंग के अंतिम चरणों में पहुँच चुकी हैं और साथ ही निगम ने लगभग 10,000 मेगावाट की अतिरिक्त पीएसपी एवं जलविद्युत ऊर्जा का दोहन करने हेतु महाराष्ट्र, कर्नाटक और अरुणाचल प्रदेश सरकार के साथ विभिन्न करार स्थापित किए हैं |

हमारी वर्तमान संस्थापित क्षमता में उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मेगावाट की टिहरी एचपीपी, कोटेश्वर में 400 मेगावाट की एचईपी, गुजरात के पाटन में 50 मेगावाट और द्वारका में 63 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजनाएं हैं। इसके साथ उत्तर प्रदेश के ढुकवाँ में 24 मेगावाट की लघु जलविद्युत परियोजना के साथ केरल के कासरगोड में 50 मेगावाट के सौर ऊर्जा परियोजना के सफलतापूर्वक कमीशनिंग का श्रेय हमें प्राप्त है। हम जलविद्युत, थर्मल ऊर्जा और अन्य ऊर्जा क्षेत्रों के माध्यम से देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल और किफायती ऊर्जा समाधान प्रदान करने में पूरी तरह से सक्षम हैं।

मुझे यह बताते हुए गौरव हो रहा है कि 1000 मेगावाट के टिहरी एचपीपी ने अगस्त 2024 में 25.89 एमयू का अपना उच्चतम एकल-दिवसीय ऊर्जा उत्पादन दर्ज करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, जो 2023 में स्थापित 25.80 एमयू के रिकॉर्ड को पार कर गया। यह उत्कृष्ट उपलब्धि संयंत्र संचालन को अनुकूलित करने में टीम के समर्पण और दक्षता को दर्शाती है।

इसके साथ ही 2764 मेगावाट की क्षमता की परियोजनाएं कमीशनिंग के अंतिम चरणों में पहुँच चुकी हैं| जिसमें देश के विद्युत क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा बनाए जाने वाली सबसे बड़ी 1000 मेगावाट की टिहरी पंप स्टोरेज परियोजना, देश में सबसे तेजी से विकसित की जा रही परियोजनाओं में से एक 1320 मेगावाट की हमारी महत्वकांक्षी खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना और 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजनाएं शामिल हैं|

गणतंत्र दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर, मुझे बहुत गर्व है कि मैं आपके साथ निगम की एक बड़ी उपलब्धि साझा कर रहा हूँ। हमने आज के इस शुभ दिवस पर खुर्जा सुपर थर्मल परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशन डेट (COD) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह ऊर्जा उत्पादन में उत्कृष्टता की हमारी यात्रा में एक नया अध्याय है और देश की बढ़ती ऊर्जा माँगों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

यह सफलता हमारी टीम के सभी सदस्यों, हितधारकों और भागीदारों की कड़ी मेहनत और समर्पण के बिना संभव नहीं होती। मैं इस परियोजना को वास्तविकता बनाने के लिए आपकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ और बधाई देता हूँ।

साथ ही जैसा कि आपको ज्ञात है कि सितंबर 2024 माह में 444 मेगावाट की विष्णुगाड-पीपलकोटी जलविद्युत परियोजना में प्रमुख उपलब्धि दर्ज की गई । जिसमें डबल शील्ड टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) "नंदाकी" ने हेड रेस टनल (एचआरटी) के 509 मीटर का काम पूरा किया जिसमें 2,016 कंक्रीट-लाइन वाले सेगमेंट स्थापित करना शामिल रहा। हिमालयी भूविज्ञान को देखते हुए यह कार्य चुनौतीपूर्ण था, जिसमें हमारी टीम ने परस्पर मेहनत से उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की । इसके साथ ही इस परियोजना से जुड़े अन्य कार्य भी संतोषजनक प्रगति कर रहे हैं|

साथियों, इन सभी परियोजनाओं के कमीशन होते ही हम हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 24 घंटे सातों दिन किफायती ऊर्जा देश में उपलब्ध कराने के सपने को साकार करने में सफल होंगे| टीएचडीसी न केवल ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखता है बल्कि स्वच्छ, हरित और सतत विकास की दिशा में कार्य कर रहा है। हमारा मानना है कि ऊर्जा केवल उत्पादन नहीं, बल्कि समाज में समृद्धि और स्थायित्व का आधार बनना चाहिए।

इसके अलावा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सिंगरौली में अमेलिया कोल माइन परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है ।

20 जनवरी, 2025 तक, हमारा कोयला उत्पादन 43.25 लाख टन तक पहुँच गया है, जिसमें एनटीपीसी को 39.92 लाख टन और खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना को 2.13 लाख टन कोयला भेजा गया है। कुल मिलाकर, एनटीपीसी और खुर्जा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना को भेजा गया कोयला 42.05 लाख टन रहा। यह उपलब्धि हमारी परियोजनाओं को कुशलतापूर्वक पूरा करने और देश की ऊर्जा जरूरतों में

महत्वपूर्ण योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पिछले तीन वर्षों में, हमने 400 से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की हैं, जिससे न केवल हमारा तकनीकी ज्ञान मजबूत हुआ है, बल्कि राष्ट्रीय विकास में भी हमारी भागीदारी बढ़ी है।

सरकारी एजेंसियों के साथ एमओयू हस्ताक्षर कर, हमने अपने दृष्टिकोण को देश के कोने-कोने तक पहुँचाया है। परामर्श सेवाओं के माध्यम से हमने पिछले वित्तीय वर्ष में ₹30 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो हमारी व्यावसायिक दक्षता और दूरदृष्टि का प्रमाण है।

मुझे गर्व है कि टीएचडीसी ऊर्जा क्षेत्र के साथ साथ मानव संसाधन विकास में भी उत्कृष्टता की मिसाल बन गई है। 'स्कोप बेस्ट एचआर प्रैक्टिसेस अवार्ड' और 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' जैसे सम्मान, हमारे कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच के विश्वास और सामंजस्य का प्रमाण हैं और निगम के प्रबंधन की उत्कृष्ठ कार्मिक नीतियों और पहलों को दर्शाता है | मैं यह गर्व से बताना चाहूँगा कि जो बेस्ट एचआर पॉलीसीज़ और इनिशियेटिवस अन्य पीएसयू में उपलब्ध हैं वह आपको टीएचडीसी में भी प्रदान किए जा रहे हैं और हम किसी भी मायने में किसी उपक्रम से पीछे नहीं हैं | इसी के साथ राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में निगम द्वारा बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा सितंबर, 2024 को राजभाषा नीति के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए वर्ष 2023-24 के राजभाषा कीर्ति पुरस्कार के अंतर्गत 'क' क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी के अंतर्गत निगम को प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

इसके पीछे निगम के प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी की निगम में राजभाषा कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

प्रिय साथियों, टीएचडीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा है। हमारा तक्षशिला प्रशिक्षण केंद्र न केवल हमारे कर्मचारियों को बेहतर प्रशिक्षण दे रहा है, बल्कि समाज में आत्मनिर्भरता और कौशल विकास की नई परिभाषा भी गढ़ रहा है।

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कोटेश्वर में हमने जो हाई परफॉरमेंस वाटर स्पोर्ट्स अकादमी विकसित की है, वह हमारे एथलीटों को असाधारण प्रशिक्षण प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। हाल ही में 11-13 जनवरी, 2025 तक हांगकांग में आयोजित एशियाई कप में मिली सफलता से इसकी पुष्टि होती है। इस प्रतिष्ठित आयोजन के दौरान, सर्विसेज़ टीम के एथलीटों ने उल्लेखनीय परिणाम प्राप्त करते हुए, विभिन्न जल खेल श्रेणियों में 4 स्वर्ण पदक और 3 रजत पदक हासिल किए। यह उपलब्धि उत्कृष्टता के प्रति अकादमी के समर्पण और हमारे एथलीटों की उत्कृष्ट प्रगति को दर्शाती है। ऐसी उल्लेखनीय उपलब्धियां न केवल सभी के लिए गौरव का क्षण हैं, बल्कि इससे टीएचडीसी को राष्ट्रीय के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी वाटर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में पहचान मिल रही है।

यह सभी उपलब्धियाँ आप सभी की परस्पर मेहनत और लगन का परिणाम है। मैं मानता हूँ कि निगम के कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य दो मजबूत स्तम्भ हैं जिस पर निगम की नींव टिकी है। इस अवसर पर मैं आप सभी के परिवार के सदस्यों का विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहता हूँ जिन्होंने हर कदम पर निगम की सफलता में बराबर योगदान दिया है। क्योंकि यदि हमारे अधिकारी/ कर्मचारी अपनी पूरी लगन और दृड़ संकल्प से कार्य कर पा रहें हैं तो वह केवल इसीलिए मुमकिन है क्योंकि उनके परिवार के सदस्य उनके साथ खड़े रहते हैं।

अंत में, मैं आप सबसे यह कहना चाहता हूँ कि गणतंत्र दिवस हर भारतीय के लिए गर्व, विश्वास और योगदान का प्रतीक है। एक बार पुनः मैं हमारे वीर जवानों को नमन करता हूँ और उनके द्वारा दिए गए बलिदानों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इन पंक्तियों के साथ, मैं अपने शब्दों को विराम देना चाहता हूँ।

चलो नए इरादों से, नए भारत को सजाएँ,

हर कदम के साथ, यह वतन ऊँचाई पर जाए।

हम न केवल निर्माण करें, बल्कि उजाले को फैलाएँ,

हर दिल में उम्मीद जगे, हर घर में रोशनी लाएँ।

धन्यवाद।

जय हिंद! जय भारत !

(राजीव विश्नोई)

दिनांक : 26 जनवरी 2025